UTKARSH CLASSES

For Session 2022-23

RBSE

भूगोल

CLASS-XII

मॉडल पेपर्स

सॉल्यूशन सहित

RBSE द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम व ब्लूप्रिंट पर आधारित नवीनतम मॉडल पेपर

भूगोल (14)

MODEL PAPER (RBSE) 7

कक्षा-XII

समय : 3 घंटे 15 मिनट

पूर्णांक : 56

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश:

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
6. प्रश्नों का अंक भार निम्नानुसार है।

खण्ड	प्रश्न की संख्या	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रत्येक प्रश्न	कुल अंक भार
खण्ड- अ (A)	1 (i to ix) 2 (i to iv) 3 (i to iv)	17	1	17
खण्ड- ब (B)	4 से 15	12	1½	18
खण्ड- स (C)	16 से 18	3	3	9
खण्ड- द (D)	19 से 20	2	4	8
खण्ड- य (E)	21 से 22	2	2	4

7. प्रश्न क्रमांक 21 से 22 मानचित्र कार्य से संबंधित हैं और प्रत्येक 2 अंक का है।
8. भारत एवं विश्व के उपलब्ध कराये गये रेखा मानचित्रों को उत्तर पुस्तिका के साथ नत्थी करें।

खण्ड–अ

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

(i) मानव विकास सूचकांक में भारत का वह राज्य, जिसका उच्चतम कोटि- क्रम है- [1]

(अ) हिमाचल प्रदेश (ब) पंजाब
(स) केरल (द) महाराष्ट्र

(ii) 'फ्लुओराइड' की समस्या किस राज्य के भौम जल में पाई जाती है- [1]

(अ) राजस्थान (ब) पश्चिम बंगाल
(स) बिहार (द) केरल

(iii) भारत में प्रथम आधुनिक सूती वस्त्र मिल कब व कहाँ स्थापित की गई? [1]

(अ) 1864, मुम्बई (ब) 1854, कोलकाता
(स) 1854, मुम्बई (द) 1864 कोलकाता

(iv) 'सूखा संभावी क्षेत्र विकास कार्यक्रम' की शुरूआत किस पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत हुई? [1]

(अ) प्रथम (ब) द्वितीय
(स) तृतीय (द) चतुर्थ

(v) मानव भूगोल विषय की प्रकृति है- [1]

(अ) स्थिर (ब) रूद्ध
(स) परिवर्तनशील (द) अस्पष्ट

(vi) नगरीय क्षेत्रों में स्त्रियों की संख्या पुरूषों की अपेक्षा अधिक है- [1]

(अ) विकासशील देशों में (ब) विकसित देशों में
(स) अल्पविकसित देशों में (द) अविकसित देशों में

(vii) 'खट्टे फलों' की भूमध्यसागरीय कृषि का प्रमुख क्षेत्र नहीं है- [1]

(अ) पूर्वी एशिया (ब) दक्षिणी यूरोप
(स) उत्तरी अफ्रीका (द) द. प. ऑस्ट्रेलिया

(viii) जनसंचार का माध्यम कहा जाता है- [1]

(अ) इंटरनेट को (ब) डाक सेवा को
(स) मोबाइल व दूरभाष को (द) रेडियो व दूरदर्शन को

(ix) विश्व का सघनतम रेलतंत्र पाया जाता है- [1]

(अ) एशिया में (ब) यूरोप में
(स) ऑस्ट्रेलिया में (द) उत्तरी अमेरिका में

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-
(i) भारत सरकार ने शहरी गंदी बस्तियों में सुधार लाने के लिए ..... मिशन शुरू किया है। [1]
(ii) सर्वाधिक जनसंख्या वृद्धि दर ..... महाद्वीप की है।[1]
(iii) डॉ. महबूब उल हक ने मानव विकास सूचकांक सन् ..... में निर्मित किया। [1]
(iv) ग्रामीण बस्तियों में जहाँ कई मार्ग आकर एक स्थान पर मिले, तो ..... प्रतिरूप विकसित होगा। [1]

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न-
(i) पुन: चक्रित किए गए जल का किन दो कार्यों में उपयोग संभव है? [1]
(ii) जल प्रदूषण के कोई दो कारण बताइए। [1]
(iii) पॉल विडाल-डी-ला ब्लाश ने मानव भूगोल को किस प्रकार परिभाषित किया? [1]
(iv) कृषि के किस प्रकार को 'कर्तन एवं दहन' कृषि के नाम से भी जाना जाता है? [1]

खण्ड - ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न-
4. भारत में किशोर जनसंख्या से सम्बंधित समाज के समक्ष कोई तीन चुनौतियाँ बताइए। [1½]
5. भारत की जनगणना में प्रवास की गणना किन दो आधारों पर की जाती है? [1½]
6. 'पल्ली बस्तियाँ' से आप क्या समझते हैं? भारत में इसके कोई तीन क्षेत्र बताइए। [1½]
7. खनिज संसाधन की तीन विशेषताएँ लिखिए। [1½]
8. 'सतत पोषणीय विकास' क्या है? परिभाषित कीजिए। [1½]
9. भारत ने अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए कौनसे उपाय अपनाये हैं? कोई तीन उपाय लिखिए। [1½]
10. जनसंख्या वितरण को कौनसे सामाजिक/सांस्कृतिक कारक प्रभावित करते हैं? कोई तीन बताइए। [1½]
11. मानव विकास के 'आधारभूत आवश्यकता उपागम' पर टिप्पणी लिखिए। [1½]
12. न्यूजीलैण्ड में दुग्ध उत्पादक क्षेत्रों से, बाजारों के लिए दूध आपूर्ति हेतु परिवहन का कौनसा माध्यम उपयोगी है और क्यों? [1½]
13. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के तीन आधार बताइए। [1½]
14. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के महत्त्वपूर्ण पक्ष कितने होते हैं? किसी एक पक्ष के बारे में लिखिए। [1½]
15. 'विश्वनगरी' (मेगासिटी) से आप क्या समझते हैं? [1½]

खण्ड-स

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-
16. भारत के किन्हीं दो लौह-इस्पात उद्योग संयंत्रों का वर्णन कीजिए। [3]
17. भारतीय रेल परिवहन की वर्तमान स्थिति को संक्षिप्त में समझाइए। [3]
18. 'बाहयस्रोतन' की व्याख्या कीजिए। [3]

खण्ड - द

निबन्धात्मक प्रश्न–
19. भारत में स्वंतत्रता प्राप्ति के पश्चात् कृषि विकास की महत्त्वपूर्ण नीतियों का वर्णन करें। [4]

अथवा

भारत में कपास एवं जूट की फसलों की विस्तृत व्याख्या कीजिए। [4]
20. बड़े और छोटे पैमाने के उद्योगों की तुलनात्मक विवेचना कीजिए। [4]

अथवा

"जर्मनी के रूहर क्षेत्र में एक 'नया रूहर' भूदृश्य विकसित हो रहा है।" इसे समझाते हुए परम्परागत वृहद औद्योगिक प्रदेशों की प्रमुख विशेषताएँ एवं समस्याएँ बताइए। [4]

खण्ड - य

21. दिए गए भारत के मानचित्र में निम्न लौह अयस्क खानों को दर्शाइए- [½x4=2]
(अ) मयूरभंज
(ब) बेलाडिला
(स) रत्नागिरी
(द) तुमकुरू

22. दिए गए विश्व के मानचित्र में निम्न आदिकालीन निर्वाह कृषि क्षेत्रों को दर्शाइए- [½x4=2]
(अ) मैक्सिको
(ब) इंडोनेशिया
(स) ब्राजील
(द) कालाहारी मरूस्थलीय क्षेत्र

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

उत्तरमाला – 07

खण्ड - अ

1.

(i) **[स]**
भारत के विभिन्न राज्यों में 0.790 संयुक्त सूचकांक मूल्य के साथ केरल कोटिक्रम में सर्वोच्च है। इसके बाद दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, गोवा और पंजाब आते हैं।

(ii) **[अ]**
भौम जल संसाधन के अत्यधिक उपयोग से राजस्थान व महाराष्ट्र राज्यों के भूमिगत जल में 'फ्लुओराइड' जबकि पश्चिम बंगाल व बिहार में संखिया के संकेन्द्रण की वृद्धि हो गई है।

(iii) **[स]**
1854 में, पहली आधुनिक सूती वस्त्र मिल की स्थापना मुम्बई में की गई। इस शहर को सूती वस्त्र निर्माण केन्द्र के रूप में कई लाभ थे। जैसे- कपास उत्पादक क्षेत्र से निकटता, पत्तन की सुविधा, पूँजी व श्रम की प्रचुरता आदि।

(iv) **[द]**
सूखी संभावी क्षेत्र विकास कार्यक्रम की शुरूआत चौथी पंचवर्षीय योजना में हुई। इसका उद्देश्य सूखा संभावी क्षेत्रों में लोगों को रोज़गार उपलब्ध करवाना तथा उत्पादन के साधनों को विकसित करना था।

(v) **[स]**
मानव भूगोल विषय की प्रकृति परिवर्तनशील है, क्योंकि इस विषय को सुस्पष्ट करने वाले उपागमों में समय के साथ परिवर्तन आया है।

(vi) **[ब]**
पश्चिमी विकसित देशों के नगरीय क्षेत्रों में स्त्रियों की संख्या पुरूषों की अपेक्षा अधिक है। रोजगार के अवसरों की अधिक संभावनाओं के कारण महिलाओं के ग्रामीण क्षेत्रों से नगरीय क्षेत्रों की ओर प्रवास के परिणामस्वरूप इन देशों में यह स्थिति बनी है।

(vii) **[अ]**
भूमध्यसागरीय कृषि का विस्तार भूमध्य सागर के समीपवर्ती क्षेत्रों-दक्षिणी यूरोप व उत्तरी अफ्रीका के अतिरिक्त दक्षिणी कैलिफोर्निया, मध्यवर्ती चिली, ऑस्ट्रेलिया व दक्षिणी अफ्रीका के दक्षिणी-पश्चिमी भाग में है। पूर्वी एशिया में यह कृषि नहीं की जाती है।

(viii) **[द]**
जनसंचार का माध्यम 'रेडियो व दूरदर्शन' को कहा जाता है, क्योंकि ये संचार माध्यम समाचारों, चित्रों व दूरभाष कॉलों का पूरे विश्व में विस्तृत स्रोताओं तक प्रसारण करते हैं।

(ix) **[ब]**
यूरोप में विश्व का सघनतम रेल तंत्र पाया जाता है। यहाँ रेलमार्ग लगभग 4 लाख 40 हजार कि.मी. लम्बे हैं जिनमें से अधिकांश दोहरे व बहुमार्गी हैं। यहाँ बेल्जियम देश में रेल घनत्व सर्वाधिक है।

2.

(i) स्वच्छ भारत
(ii) अफ्रीका
(iii) 1990
(iv) तारा प्रतिरूप

3.

(i) पुन: चक्रित किए गए जल का उपयोग शीतलन एवं अग्निशमन के लिए तथा बागवानी के लिए किया जा सकता है।

(ii) जल प्रदूषण के दो कारण निम्न हैं- उद्योगों के विषाक्त जल का जल स्रोतों में निस्तारण तथा नगरीय गंदे व मलयुक्त जल का साफ जल में मिलना।

(iii) "हमारी पृथ्वी को नियंत्रित करने वाले भौतिक नियमों तथा इस पर रहने वाले जीवों के मध्य संबंधों के अधिक संश्लेषित ज्ञान से उत्पन्न संकल्पना।" इसे ब्लाश ने भूगोल विषय माना है।

(iv) स्थानान्तरणशील कृषि को 'कर्तन एवं दहन' कृषि के नाम से भी जाना जाता है।

खण्ड - ब

4. किशोर जनसंख्या, यद्यपि उच्च संभावनाओं से युक्त युवा जनसंख्या समझी जाती है, यदि उन्हें समुचित ढंग से मार्गदर्शित और दिशा निर्देशित न किया जाए तो वे काफ़ी सुभेद्य भी होते हैं। भारत में किशोर जनसंख्या से सम्बंधित समाज के समक्ष तीन प्रमुख चुनौतियाँ निम्नलिखित हैं- (i) पोषकों की निम्न ग्राह्यता, (ii) किशोरी माताओं में उच्च मातृ मृत्यु दर, (iii) औषध दुरुपयोग और मदिरा सेवन।

5. भारत की जनगणना में **प्रवास की गणना दो आधारों** पर की जाती है-

- **जन्म का स्थान-** यदि जन्म का स्थान गणना के स्थान से भिन्न है (इसे जीवनपर्यंत प्रवासी के नाम से जाना जाता है)।
- **निवास का स्थान-** यदि निवास का पिछला स्थान गणना के स्थान से भिन्न है (इसे निवास के पिछले स्थान से प्रवासी के रूप में जाना जाता है)।

6. **पल्ली बस्तियाँ-** कई बार बस्ती भौतिक रूप से एक-दूसरे से पृथक अनेक इकाइयों में बँट जाती है किंतु उन सबका नाम एक रहता है। किसी विशाल गाँव का ऐसा खंडीभवन प्राय: सामाजिक एवं मानवजातीय कारकों द्वारा अभिप्रेरित होता है।

प्रमुख क्षेत्र-

- मध्य और निम्न गंगा के मैदान।
- छत्तीसगढ़।
- हिमालय की निचली घाटियाँ।

7. **खनिज संसाधन की तीन विशेषताएँ-**

- यह क्षेत्र में असमान रूप से वितरित होते हैं।
- खनिजों की गुणवत्ता और मात्रा के बीच प्रतिलोमी संबंध पाया जाता है।
- ये सभी खनिज समय के साथ समाप्त हो जाते हैं। भूगर्भिक दृष्टि से इन्हें बनने में लंबा समय लगता है और आवश्यकता के समय इनका तुरंत पुनर्भरण नहीं किया जा सकता।

8. **सतत पोषणीय विकास-** 'विश्व पर्यावरण और विकास आयोग' ने सतत पोषणीय विकास की सीधी-सरल और वृहद् स्तर पर प्रयुक्त परिभाषा प्रस्तुत की। इसके अनुसार सतत पोषणीय विकास का अर्थ है- 'एक ऐसा विकास जिसमें भविष्य में आने वाली पीढ़ियों की आवश्यकता पूर्ति को प्रभावित किए बिना वर्तमान पीढ़ी द्वारा अपनी आवश्यकता की पूर्ति करना।'

9. भारत का उद्देश्य आगामी वर्षों के दौरान अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अपनी हिस्सेदारी को तीव्र गति से बढ़ाना है। अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए भारत ने कई उपाय अपनाये हैं, जिनमें से तीन प्रमुख उपाय निम्नलिखित है-
- आयात उदारीकरण तथा आयात करों में कमी।
- डि-लाइसेंसिंग (विअनुज्ञाकरण)।
- प्रक्रिया से उत्पाद के एकस्व (पेटेंट) में बदलाव।

10. **जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले तीन प्रमुख सामाजिक/सांस्कृतिक कारक-**
(i) कुछ स्थान धार्मिक अथवा सांस्कृतिक महत्त्व के कारण अधिक लोगों को आकर्षित करते हैं।
(ii) लोग उन क्षेत्रों को छोड़कर चले जाते हैं, जहाँ सामाजिक और राजनीतिक अशान्ति होती है।
(iii) कई बार सरकारें लोगों को विरल जनसंख्या वाले क्षेत्रों में बसने अथवा भीड़-भाड़ वाले स्थानों से चले जाने के लिए प्रोत्साहन देती हैं।

11. **आधारभूत आवश्यकता उपागम-** इस उपागम को मूल रूप से अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने प्रस्तावित किया था। इसमें छ: न्यूनतम आवश्यकताओं जैसे- स्वास्थ्य, शिक्षा, भोजन, जलापूर्ति, स्वच्छता और आवास की पहचान की गई थी। इसमें मानव विकल्पों के प्रश्न की उपेक्षा की गई है और पारिभाषित वर्गों की मूलभूत आवश्यकताओं की व्यवस्था पर जोर दिया गया है।

12. न्यूजीलैण्ड में दुग्ध उत्पादक क्षेत्रों से, बाजारो के लिए दूध आपूर्ति हेतु पाइपलाइन परिवहन माध्यम उपयोगी है, क्योंकि जल, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे तरल एवं गैसीय पदार्थों के अबाधित प्रवाह और परिवहन के लिए पाइपलाइनों का व्यापक रूप से प्रयोग किया जाता है। पाइपलाइनों द्वारा अधिकांशत: जल की आपूर्ति की जाती है।

13. **(i) राष्ट्रीय संसाधनों में भिन्नता:** भौतिक संरचना जैसे कि भूविज्ञान, उच्चावच, मृदा व जलवायु में भिन्नता के कारण विश्व के राष्ट्रीय संसाधन असमान रूप से वितरित हैं।
(ii) जनसंख्या कारक: विभिन्न देशों में जनसंख्या के आकार, वितरण तथा उसकी विविधता व्यापार की गई वस्तुओं के प्रकार और मात्रा को प्रभावित करते हैं।
(iii) परिवहन: परिवहन के विस्तार और प्रशीतन तथा परिरक्षण के बेहतर साधनों के साथ, व्यापार ने स्थानिक विस्तार का अनुभव किया है।

14. **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के महत्त्वपूर्ण पक्ष-** अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के तीन महत्त्वपूर्ण पक्ष हैं। ये हैं- परिमाण, संयोजन और व्यापार की दिशा।
व्यापार का परिमाण- व्यापार की गई वस्तुओं का वास्तविक तौल परिमाण कहलाता है। हालाँकि व्यापारिक सेवाओं को तौल में नहीं मापा जा सकता। इसलिए व्यापार की गई वस्तुओं तथा सेवाओं के कुल मूल्य को व्यापार के परिमाण के रूप में जाना जाता है।

15. **विश्वनगरी-** यह यूनानी शब्द 'मेगालोपोलिस' से बना है जिसका अर्थ होता है 'विशाल नगर'। इसका प्रयोग 1957 में जीन गोटमेन ने किया। यह बड़ा महानगर प्रदेश होता है जिसमें सन्नगरों का समूह होता है। विश्वनगरी का सबसे अच्छा उदाहरण संयुक्त राज्य अमेरिका में है जहाँ उत्तर में बोस्टन से दक्षिण में वाशिंगटन तक नगरीय भूदृश्य के रूप में दिखाई देता है।

खण्ड-स

16. **टाटा लौह इस्पात कंपनी-** टाटा लौह-इस्पात मुंबई-कोलकाता रेलवे मार्ग के बहुत निकट स्थित है। यहाँ के इस्पात के निर्यात के लिए सबसे नज़दीक पत्तन कोलकाता है। संयंत्र को पानी सुवर्ण रेखा एवं खारकोई नदियों से, लोहा नोआमंडी और बादाम पहाड़ से, कोयला जोड़ा खानों (ओडिशा) से, कोककारी कोयला झरिया और पश्चिमी बोकारो कोयला क्षेत्रों से प्राप्त होता है।
विश्वेश्वरैया आयरन एंड स्टील वर्क्स- विश्वेश्वरैया आयरन एंड स्टील वर्क्स, जो प्रारंभ में मैसूर लोहा और इस्पात वर्क्स के नाम से जाना जाता था। बाबाबूदन की पहाड़ियों के केमान गुंडी के लौह-अयस्क क्षेत्रों के निकट स्थित है। जल भद्रावती नदी से प्राप्त होता है, इस प्रदेश में कोयला नहीं मिलता। चारकोल को 1951 तक ईंधन के रूप में प्रयोग किया जाता था। बाद में विद्युत भट्टियाँ लगाई गईं।

17. **रेल परिवहन-** भारतीय रेल जाल विश्व के सर्वाधिक लंबे रेल जालों में से एक है। यह माल एवं यात्री परिवहन को सुगम बनाने के साथ-साथ आर्थिक वृद्धि में भी योगदान देता है।
भारतीय रेल की स्थापना 1853 में हुई तथा मुंबई (बंबई) से थाणे के बीच 34 कि.मी. लंबी रेल लाइन निर्मित की गई। देश में भारतीय रेल सरकार का विशालतम उद्यम है। भारतीय रेल जाल की कुल लंबाई 67956 कि.मी. है (रेलवे ईयर बुक 2019-20)। इसका अति विशाल आकार केंद्रीकृत रेल प्रबंधन तंत्र पर अत्यधिक दबाव डालता है। अतएव भारतीय रेल को 16 मंडलों में विभाजित किया गया है। रेलवे पटरी की चौड़ाई के आधार पर भारतीय रेल के तीन वर्ग बनाए गए हैं।

18. **बाह्यस्रोतन** अथवा ठेका देना दक्षता को सुधारने और लागतों को घटाने के लिए किसी बाहरी अभिकरण को काम सौंपना है। जब बाह्यस्रोतन में कार्य समुद्रपार के स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया जाता है तो इसको अपतरन (ऑफशोरिंग) कहा जाता है। वर्तमान में सूचना प्रौद्योगिकी, मानव संसाधन, ग्राहक सहायता व कॉल सेंटर सेवाएँ और कई बार विनिर्माण तथा अभियांत्रिकी इत्यादि व्यापारिक क्रियाकलापों का बाह्यस्रोतन किया जाता है।
आँकड़ा प्रक्रमण सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित एक सेवा है जिसे आसानी से एशियाई, पूर्वी यूरोपीय और अफ्रीकी देशों में क्रियान्वित किया जा सकता है। इन देशों में विकसित देशों की अपेक्षा कम पारिश्रमिक पर अंग्रेज़ी भाषा में अच्छी निपुणता वाले सूचना प्रौद्योगिकी में कुशल कर्मचारी उपलब्ध हो जाते हैं।

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

खण्ड - द

निबन्धात्मक प्रश्न–

19. स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद कृषि विकास- स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सरकार का तात्कालिक उद्देश्य खाद्यान्नों का उत्पादन बढ़ाना था, जिसमें निम्न उपाय अपनाए गए-

- व्यापारिक फ़सलों की जगह खाद्यान्नों का उगाया जाना।
- कृषि गहनता को बढ़ाना।
- कृषि योग्य बंजर तथा परती भूमि को कृषि भूमि में परिवर्तित करना।

प्रारंभ में इस नीति से खाद्यान्नों का उत्पादन बढ़ा, लेकिन 1950 के दशक के अंत तक कृषि उत्पादन स्थिर हो गया। इस समस्या से उबरने के लिए 'गहन कृषि ज़िला कार्यक्रम' तथा 'गहन कृषि क्षेत्र कार्यक्रम' प्रारंभ किए गए। परंतु 1960 के दशक के मध्य में लगातार दो अकालों से देश में अन्न संकट उत्पन्न हो गया। परिणामस्वरूप दूसरे देशों से खाद्यान्नों का आयात करना पड़ा।

हरित क्रांति

- 1960 के दशक के मध्य में गेहूँ की किस्में मैक्सिको से तथा चावल की किस्में फिलिपींस से, जो अधिक उत्पादन देने वाली नई किस्में थीं, कृषि के लिए उपलब्ध हुई।
- भारत ने इसका लाभ उठाया तथा पैकेज प्रौद्योगिकी के रूप में पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश आदि राज्यों में उच्च उत्पादकता की किस्मों को अपनाया।
- नई कृषि प्रौद्योगिकी की सफलता हेतु सिंचाई से निश्चित जल आपूर्ति पूर्व आपेक्षित थी।
- कृषि विकास की इस नीति से खाद्यान्नों के उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि 'हरित क्रांति' के नाम से जानी जाती है।
- हरित क्रांति ने कृषि में प्रयुक्त कृषि निवेश, कृषि आधारित उद्योगों तथा छोटे पैमाने के उद्योगों के विकास को प्रोत्साहन दिया। कृषि विकास की इस नीति से देश खाद्यान्नों के उत्पादन में आत्म-निर्भर हुआ। लेकिन प्रारंभ में 'हरित क्रांति' देश के सिंचित भागों तक ही सीमित थी; फलस्वरूप कृषि विकास में प्रादेशिक असमानता बढ़ी।
- ऐसा 1970 के दशक के अंत तक रहा तथा 1980 के आरंभ में व इसके पश्चात् यह प्रौद्योगिकी मध्य भारत तथा पूर्वी भारत के भागों में फैली।

अथवा

कपास- कपास एक उष्ण कटिबंधीय फ़सल है। यह देश के अर्ध-शुष्क भागों में खरीफ़ ऋतु में बोई जाती है। देश विभाजन के समय भारत का बहुत बड़ा कपास उत्पादन क्षेत्र पाकिस्तान में चला गया। यद्यपि पिछले 50 वर्षों में भारत में इसके क्षेत्रफल में लगातार वृद्धि हुई है। भारत, छोटे रेशे वाली (भारतीय) व लंबे रेशे वाली (अमेरिकन) दोनों प्रकार की कपास का उत्पादन करता है। अमेरिकन कपास को देश के उत्तर-पश्चिमी भाग में 'नरमा' कहा जाता है। कपास पर फूल आने के समय आकाश बादलरहित होना चाहिए।

प्रमुख उत्पादन क्षेत्र- भारत का कपास के उत्पादन में विश्व में चीन के पश्चात दूसरा स्थान है। देश के समस्त बोए क्षेत्र के लगभग 4.7 प्रतिशत क्षेत्र पर कपास बोया जाता है। कपास के अग्रणी उत्पादक राज्य– गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, पंजाब तथा हरियाणा हैं। देश के उत्तर-पश्चिमी सिंचाई सुविधा वाले भागों में कपास का प्रति हेक्टेयर उत्पादन अधिक है। इसका उत्पादन महाराष्ट्र के वर्षा पर निर्भर क्षेत्रों में बहुत कम है।

जूट- जूट का प्रयोग मोटे वस्त्र, थैला, बोरे व अन्य सजावटी सामान बनाने में किया जाता है। यह पश्चिम बंगाल तथा इससे संस्पर्शी पूर्वी भागों की एक व्यापारिक फ़सल है। विभाजन के दौरान देश का विशाल जूट उत्पादक क्षेत्र पूर्वी पाकिस्तान (बांग्लादेश) में चला गया।

प्रमुख उत्पादन क्षेत्र- आज भारत विश्व का लगभग 60 प्रतिशत जूट उत्पादन करता है। पश्चिम बंगाल देश के इस उत्पादन का तीन-चौथाई भाग पैदा करता है। बिहार व आसाम अन्य जूट उत्पादक क्षेत्र हैं। यह देश के कुल शस्य क्षेत्र के 0.5 प्रतिशत भाग पर ही बोया जाता है।

20. बड़े पैमाने के उद्योग-

प्रमुख विशेषताएँ- बड़े पैमाने के उद्योगों का कार्य-स्थल विशाल होता है। इस कारण ये शहरों से दूर ऐसे स्थानों पर लगाये जाते हैं, जहाँ विस्तृत भूमि, कच्चा माल तथा शक्ति के साधन उपलब्ध हो। इसके अतिरिक्त इन उद्योगों के लिए विशाल बाज़ार, कुशल श्रमिक, विकसित प्रौद्योगिकी, अधिक उत्पादन, अधिक पूँजी आदि की आवश्यकता होती है।

मुख्य क्षेत्र एवं विकास- पिछले 200 वर्षों में इनका विकास हुआ है। पहले यह उद्योग ग्रेट ब्रिटेन, संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्वी भाग एवं यूरोप में लगाए गए थे परंतु वर्तमान में इनका विस्तार विश्व के सभी भागों में हो गया है।

विश्व के प्रमुख औद्योगिक प्रदेशों को उनके वृहत् पैमाने पर किए गए निर्माण के आधार पर दो बड़े समूहों में बाँटा जा सकता है :

(i) परंपरागत वृहत औद्योगिक प्रदेश जिनके समूह कुछ अधिक विकसित देशों में है।

(ii) उच्च प्रौद्योगिकी वाले वृहत औद्योगिक प्रदेश जिनका विस्तार कम विकसित देशों में हुआ है।

छोटे पैमाने के उद्योग-

प्रमुख विशेषताएँ- ये वृहद् उद्योगों से भिन्न हैं। इसके उत्पादन की तकनीक एवं निर्माण स्थल दोनों वृहद् उद्योग से भिन्न होते हैं। इसमें स्थानीय कच्चे माल का उपयोग होता है। इनमें मध्यम आकार की मशीनों तथा चालक शक्ति के साथ-साथ मानव संसाधनों का भी भरपूर प्रयोग किया जाता है।

मुख्य क्षेत्र एवं विकास- इस प्रकार के उद्योग मुख्यतया शहरों तथा कस्बों में लगाये जाते हैं। भारत, चीन, इंडोनेशिया एवं ब्राजील जैसे देशों ने अपनी जनसंख्या को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए इस प्रकार के श्रम-सघन छोटे पैमाने के उद्योग प्रारंभ किए हैं। रोजगार के अवसर इस उद्योग में अधिक होते हैं जिससे स्थानीय निवासियों की क्रय शक्ति बढ़ती है।

अथवा

"जर्मनी के रूहर क्षेत्र में एक 'नया रूहर' भूदृश्य विकसित हो रहा है।" इसे समझाते हुए परम्परागत वृहद औद्योगिक प्रदेशों की प्रमुख विशेषताएँ एवं समस्याएँ बताइए।

जर्मनी का रूहर कोयला क्षेत्र- यह लंबे समय से यूरोप का प्रमुख औद्योगिक प्रदेश रहा है। कोयला, लोहा एवं इस्पात यहाँ अर्थव्यवस्था के प्रमुख आधार रहे हैं, लेकिन कोयले की माँग में कमी आने के कारण उद्योग संकुचित होने लगा। यहाँ लौह अयस्क समाप्त होने पर भी जलमार्ग से आयातित अयस्क का प्रयोग करके उद्योग कार्यशील रहा है।

'नया रूहर' भू-दृश्य- जर्मनी के इस्पात उत्पादन का 80 प्रतिशत रूहर से प्राप्त होता है। औद्योगिक ढाँचे में परिवर्तन के कारण कुछ क्षेत्रों के उत्पादन में गिरावट आई है एवं प्रदूषण व औद्योगिक अपशिष्ट की समस्या भी होने लगी है। अब रूहर के भविष्य की संपन्नता कोयले व इस्पात के बजाय नए उद्योग जैसे ओपेल कार बनाने का विशाल कारखाना, नए रासायनिक संयंत्र, विश्वविद्यालय इत्यादि पर आधारित है। यहाँ खरीदारी के बड़े-बड़े बाज़ार बन गए हैं जिससे एक **'नया रूहर' भू-दृश्य** विकसित हो रहा है।

परम्परागत वृहद औद्योगिक प्रदेशों की प्रमुख विशेषताएँ-

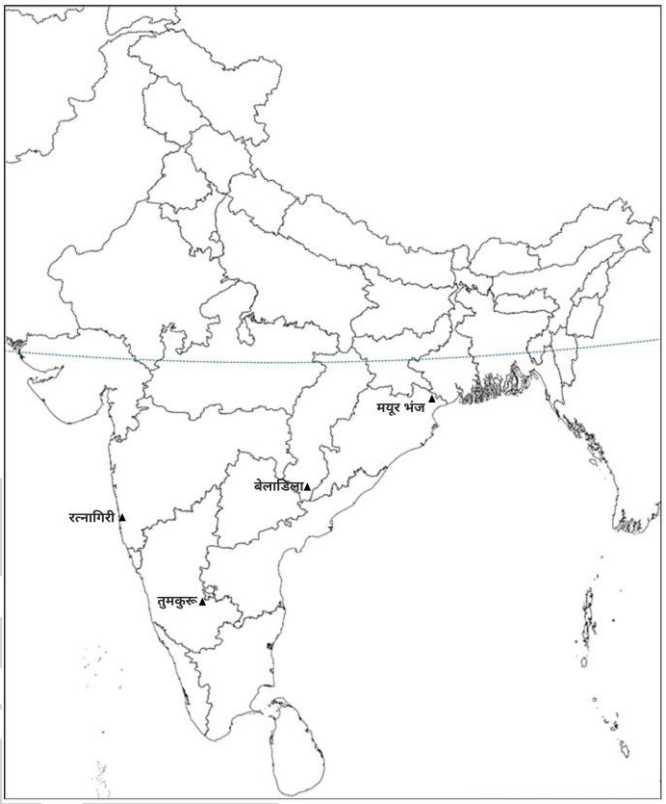
- निर्माण उद्योगों में रोजगार का अनुपात ऊँचा होता है।
- यह भारी उद्योग के क्षेत्र होते हैं।
- इनमें कोयला खदानों के समीप स्थित धातु पिघलाने वाले उद्योग, भारी इंजीनियरिंग, रसायन निर्माण, वस्त्र उत्पादन इत्यादि का कार्य किया जाता है।
- इन्हें धुएँ की चिमनी वाला उद्योग भी कहते हैं।

परंपरागत औद्योगिक प्रदेशों की समस्याएँ-

- उच्च गृह घनत्व जिसमें घर घटिया प्रकार के होते हैं
- सेवाएँ अपर्याप्त होती है।
- वातावरण अनाकर्षक होता है जिसमें गंदगी के ढेर व प्रदूषण होता है।
- बेरोज़गारी की समस्या, उत्प्रवास, विश्वव्यापी माँग कम होने से कारखाने बंद होने के कारण इन प्रदेशों में परित्यक्त भूमि का क्षेत्र निर्मित हो जाना भी एक गम्भीर समस्या है।

खण्ड - य

21.



22.



#अब कामयाबी पर होगा सबका हक़

UTKARSH CLASSES | CLASS 6-12

Smart e-Learning Programme



उत्कर्ष एप से घर बैठे कीजिए ऑनलाइन ट्यूशन और बनिए क्लास में टॉपर

उत्कर्ष एप में गुणवत्तामूलक स्कूली शिक्षा के ऑनलाइन कोर्सेस नाममात्र के शुल्क में उपलब्ध

QR Code Scan
कर आज ही
'उत्कर्ष एप'
डाउनलोड करें

Academic Session 2022-23

Class VI-VIII	~~₹10,000~~	₹1999	CBSE | RBSE & Other 7 State Boards
Class IX-X	~~₹15,000~~	₹2999	
Class XI-XII	~~₹18,000~~	₹3499	

₹1200/- per subject Live	₹600/- per subject Recorded

Class XI-XII
(Science, Commerce & Arts)

• **LIVE & Recorded Classes** • **English & Hindi Medium**

आज से ही बनाएँ अपनी पढ़ाई को और बेहतर
Utkarsh Online Tuition के साथ

उत्कर्ष एप ही क्यों ?

- विख्यात व अनुभवी विषय-विशेषज्ञों की टीम
- फैकल्टी द्वारा हस्तलिखित पैनल PDF & e-Notes
- नियमित टेस्ट द्वारा मूल्यांकन (MCQs & Self Assessment)
- टॉपिकवाइज़ क्विज़ एवं उनका वीडियो व्याख्यान
- Live Poll during interactive classes.
- 4K डिजिटल पैनल पर इंटरैक्टिव कक्षाएँ
- 360° Rapid Revision.

15 M+ SUBSCRIBERS
2 M+ SUBSCRIBERS
10 M+ DOWNLOADS
1 M+ FOLLOWERS



UTKARSH CLASSES

www.utkarsh.com support@utkarsh.com